Vol 6 Issue 9 March 2017

ISSN No :2231-5063

International Multidisciplinary Research Journal

Golden Research Thoughts

Chief Editor
Dr.Tukaram Narayan Shinde

Publisher
Mrs.Laxmi Ashok Yakkaldevi

Associate Editor
Dr.Rajani Dalvi

Honorary
Mr.Ashok Yakkaldevi

Welcome to GRT

RNI MAHMUL/2011/38595 **ISSN No.2231-5063**

Golden Research Thoughts Journal is a multidisciplinary research journal, published monthly in English, Hindi & Marathi Language. All research papers submitted to the journal will be double - blind peer reviewed referred by members of the editorial board.Readers will include investigator in universities, research institutes government and industry with research interest in the general subjects.

Regional Editor

Dr. T. Manichander

International Advisory Board

Kamani Perera
Regional Center For Strategic Studies, Sri Lanka

Janaki Sinnasamy
Librarian, University of Malaya

Romona Mihaila
Spiru Haret University, Romania

Delia Serbescu
Spiru Haret University, Bucharest, Romania

Anurag Misra
DBS College, Kanpur

Titus PopPhD, Partium Christian University, Oradea,Romania

Mohammad Hailat
Dept. of Mathematical Sciences, University of South Carolina Aiken

Abdullah Sabbagh
Engineering Studies, Sydney

Ecaterina Patrascu
Spiru Haret University, Bucharest

Loredana Bosca
Spiru Haret University, Romania

Fabricio Moraes de Almeida
Federal University of Rondonia, Brazil

George - Calin SERITAN
Faculty of Philosophy and Socio-Political Sciences Al. I. Cuza University, Iasi

Hasan Baktir
English Language and Literature Department, Kayseri

Ghayoor Abbas Chotana
Dept of Chemistry, Lahore University of Management Sciences[PK]

Anna Maria Constantinovici
AL. I. Cuza University, Romania

Ilie Pintea,
Spiru Haret University, Romania

Xiaohua Yang
PhD, USA

......More

Editorial Board

Pratap Vyamktrao Naikwade
ASP College Devrukh,Ratnagiri,MS India

R. R. Patil
Head Geology Department Solapur University,Solapur

Rama Bhosale
Prin. and Jt. Director Higher Education, Panvel

Salve R. N.
Department of Sociology, Shivaji University,Kolhapur

Govind P. Shinde
Bharati Vidyapeeth School of Distance Education Center, Navi Mumbai

Chakane Sanjay Dnyaneshwar
Arts, Science & Commerce College, Indapur, Pune

Awadhesh Kumar Shirotriya
Secretary,Play India Play,Meerut(U.P.)

Iresh Swami
Ex - VC. Solapur University, Solapur

N.S. Dhaygude
Ex. Prin. Dayanand College, Solapur

Narendra Kadu
Jt. Director Higher Education, Pune

K. M. Bhandarkar
Praful Patel College of Education, Gondia

Sonal Singh
Vikram University, Ujjain

G. P. Patankar
S. D. M. Degree College, Honavar, Karnataka

Maj. S. Bakhtiar Choudhary
Director,Hyderabad AP India.

S.Parvathi Devi
Ph.D.-University of Allahabad

Sonal Singh,
Vikram University, Ujjain

Rajendra Shendge
Director, B.C.U.D. Solapur University, Solapur

R. R. Yalikar
Director Managment Institute, Solapur

Umesh Rajderkar
Head Humanities & Social Science YCMOU,Nashik

S. R. Pandya
Head Education Dept. Mumbai University, Mumbai

Alka Darshan Shrivastava
Shaskiya Snatkottar Mahavidyalaya, Dhar

Rahul Shriram Sudke
Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

S.KANNAN
Annamalai University,TN

Satish Kumar Kalhotra
Maulana Azad National Urdu University

Address:-Ashok Yakkaldevi 258/34, Raviwar Peth, Solapur - 413 005 Maharashtra, India
Cell : 9595 359 435, Ph No: 02172372010 Email: ayisrj@yahoo.in Website: www.aygrt.isrj.org

GRT GOLDEN RESEARCH THOUGHTS

ISSN: 2231-5063
IMPACT FACTOR : 4.6052(UIF)
VOLUME - 6 | ISSUE - 9 | MARCH - 2017

मध्यप्रदेश शासन द्वारा संचालित अनुसूचित जाति / जनजाति के युवाओं हेतु रोजगार – स्वरोजगार हेतु महत्वपूर्ण भूमिका " उमरिया जिले के विशेष सन्दर्भ में "

डॉ.राजू रैदास[1], कन्हैया कुमार विश्वकर्मा[2]
[1]अतिथि विद्वान (वाणिज्य) ,शास.महाविद्यालय उमरिया (म.प्र.) भारत.
[2]अतिथि विद्वान (वाणिज्य),शास.महाविद्यालय उमरिया (म.प्र.) भारत .

शोध सारांश :–

आर्थिक विकास के मार्ग पर चलकर किसी भी देश में व्यक्ति निर्माण से समाज निर्माण और समाज निर्माण से राष्ट्र निर्माण का सिष्द्धान्त निर्भर करता है। देश में स्वतंत्रता के बाद आज तक देश के विकास के लिए जो अनेकानेक योजनाएँ बनाई गई उससे प्राप्त होने वाले लाभों से समाज का पिछड़ा व कमजोर वर्ग सदैव वंचित रहा। मध्यप्रदेश सरकार अनु० जाति / जनजाति के लोगों के रोजगार, स्वरोजगार हेतु विभिन्न सहकारी संस्थाओं के अन्तर्गत सरकार म०प्र० राज्य सहकारी अनुसूचित जाति / जनजाति वित्त एवं विकास निगम मर्यादित संस्था द्वारा तथा जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र तथा अन्य संस्थाओं के माध्यम से अनु० जाति / जनजाति के लोगों को प्रदत्त आर्थिक सहायता से उनके आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। मध्यप्रदेश राज्य सहकारी मध्यप्रदेश राज्य सहकारी अनुसूचित जाति एवं जनजाति वित्त एवं विकास निगम मर्यादित की स्थापना मार्च 1979 मे हुई थी। इसका पंजीयन म०प्र० सहकारी अधिनियम 1960 में हुई थी। निगम अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग के आर्थिक विकास के लिए योजनाएँ संचालित कर रहा है।

किसी भी जिले में उद्योग स्थापना से संबंधित क्रिया–कलापों का केन्द्र जिला उद्योग केन्द्र ही होता है। उद्योग केन्द्र एक जिला स्तरीय संस्था है, जो अपने जिले के सभी लघु एवं ग्रामीण उद्योगों की स्थापना एवं विकास के लिए आवश्यक सभी सुविधाएँ, साधन एवं सहायताएँ एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराती है। सरकारी संस्थाओं के साथ–साथ अनु. जाति /जनजाति के कल्याण के लिए गैर सरकारी तथा स्वैच्छिक संगठनों ने भी सफलतम् प्रयास किये है।

प्रस्तावना :–

अनुसूचित जाति / जनजाति एक ऐसा वर्ग है जो बहुत पिछड़ा एवं समाज द्वारा बहिष्कृत भी किया जाता रहा है परन्तु समय के साथ–साथ समाज की सोच में परिवर्तन आया है तथा वर्तमान में इन्हे समाज द्वारा समान दर्जा दिया जाने लगा है और इनके विकास के लिए भरपूर प्रयास जारी है। समाज के आर्थिक विकास में सरकारी संस्थाओं की एक अहम भूमिका होती है। अनुसूचित जाति / जनजाति के लोगों को रोजगार–स्वरोजगार प्रदान करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश शासन द्वारा विभिन्न संस्थाओं के माध्यम से अनेक योजनाएँ क्रियान्वित की जा रही हैं। मध्यप्रदेश शासन द्वारा इस उद्देश्य की पूर्ति पूर्ति हेतु कई संस्थाओं को शामिल किया है।

1.मध्यप्रदेश राज्य सहकारी अनुसूचित जाति / जनजाति वित्त एवं विकास निगम मर्यादित
2.जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र
3. अन्य संस्थाएँ

मध्यप्रदेश राज्य सहकारी अनुसूचित जाति / जनजाति वित्त एवं विकास निगम मर्यादित अनुसूचित जाति /जनजाति युवाओं के कल्याण के लिए राज्य के सभी जिलों में योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। निगम का प्रयास है, योजनाओं के लाभ संबंधित हितग्राही स्वमं उठाये तथा अपनी माली हालत में सुधार करें। परिवहन योजनांतर्गत हितग्राहियों को परमिट दिलवाने में भी मधप्रदेश राज्य सहकारी अनुसूचित जाति / जनजाति वित्त एवं विकास निगम मर्यादित हितग्राही की मदद करते है। मधप्रदेश राज्य सहकारी अनुसूचित जाति / जनजाति वित्त एवं विकास निगम मर्यादित राज्य शासन एवं राष्ट्रीय एजेंसी के रूप में अनुसूचित जाति / जनजाति के गरीबी रेखा से नीचे तथा गरीबी रेखा की दुगुनी सीमा तक के परिवारों को रोजगार – स्वरोजगार स्थापित करने के उद्देश्य से क्षेत्र की आवश्यकता एवं माँग के अनुरूप, हितग्राही की अभिरूचि / रूचि अनुसार विभिन्न आय जनित योजनाओं के अंतर्गत कम ब्याज दर पर ऋण जिला स्तर पर कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला अंत्यावसायी सहकारी विकास समिति के माध्यम से संपूर्ण प्रदेश में उपलब्ध करा रहा है।

मध्यप्रदेश राज्य सहकारी अनुसूचित जाति /जनजाति वित्त एवं विकास निगम मर्यादित के उद्देश्य –

1.निगम का मुख्य उद्देश्य अनुसूचित जाति / जनजाति के सदस्यों के आर्थिक विकास के लिए विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन करना एवं गरीबी रेखा तथा शासन द्वारा निर्धारित गरीबी रेखा की दुगुनि सीमी के नीचे जीवन–यापन करने वाले अनुसूचित जाति/जनजाति वर्ग के लोगों को रोजगार – स्वरोजगार उपलब्ध कराकर उनका आर्थिक उत्थान करना है।

2.मैला ढोने वाले एवं सफाई कामगारो को पुर्नवासित करने हेतु योजनाओं का संचालन करना।

3.अनुसूचित जाति/ जनजाति, सफाई कामगारों एवं दिव्यांगों को रोजगार – स्वरोजगार के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना है।

इसके अंतर्गत निगम जिला स्तर पर कलेक्टर की अध्यक्षता में गठित अंत्यावसायी सहाकरी विकास समिति के माध्यम से सम्पूर्ण प्रदेश में कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध करा रहा है।

अनुसूचित जाति जनजाति के रोजगार – स्वरोजगार हेतु निगम द्वारा संचालित योजनाओं को अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए योजनाओं के अंतर्गत निःशुल्क योजना, प्रशिक्षण कार्यक्रम, वित्त एवं मार्केटिंग, लघु उद्यमियों द्वारा उत्पादित माल के विक्रय को प्रदेश के महानगरों में लगने वाले मेले, प्रदर्शनियों एवं हाथकला को प्रोत्साहित करना आदि कार्य बाजरों में किये जाते है।

उमरिया जिले के अन्तर्गत मध्यप्रदेश राज्य सहकारी अनुसूचित जाति / जनजाति वित्त एवं विकास निगम मर्यादित द्वारा अनुसूचित जाति / जनजाति के विकास हेतु कार्य :–

उमरिया जिले के अन्तर्गत अनुसूचित जाति / जनजाति के विकास हेतु निगम द्वारा विभिन्न योजनाएँ संचालित की जा रही हैं। निगम का प्रयास है कि इन योजनाओं के लाभ हितग्राही को मिल सके एवं उनके आर्थिक स्थिति में अपेक्षित सुधार हो सके।

1.उमरिया जिले के अनुसूचित जाति / जनजाति के गरीबी रेखा से नीचे एवं राष्ट्रीय निगमो द्वारा निर्धारित आय के लिए आर्थिक मदद की जाती हैं।

2.उमरिया जिले के अनुसूचित जाति / जनजाति के गरीबी रेखा से नीचे जीवन–यापन कर रहे परिवारों का प्रशिक्षण एवं रोजगार–स्वरोजगार हेतु बैंकों के माध्यम से ऋण उपलब्ध कराया जाता है।

3.उमरिया जिले के अनुसूचित जाति / जनजाति की महिलाओं की जरूरतों के लिए आवश्यकतानुसार कम ब्याज पर ऋण उपलब्ध कराया जाता है।

4.उमरिया जिले के अनुसूचित जाति / जनजाति युवाओं के लिए निगम द्वारा सफाई कामगारों को उनकी रूचि के अनुसार सम्मानजनक व्यवसायों में प्रतिस्थापित करने हेतु ऋण उपलब्ध कराया जाता है।

5.उमरिया जिले के अनुसूचित जाति / जनजाति के बेरोजगार युवकों को उपयुक्त आवास एवं कार्यशाला स्थापित करने के लिए ऋण विभिन्न संस्थाओं से दिलाया जाता है।

6.उमरिया जिले के अनुसूचित जाति / जनजाति हितग्राहियो को उनकी रूचि / अभिरूचि एवं स्थानीय माँग तथा आवश्यकता के अनुसार अल्पावधि का प्रशिक्षण निःशुल्क दिलाकर कौशल में वृद्धि करके रोजगार – स्वरोजगार में स्थपित किया जाता है, जिससे वह एक सफल व्यवसायी बन सकें।

उमरिया जिले के अन्तर्गत रोजगार – स्व–रोजगार की विभिन्न योजनाओं में से निगम द्वारा मुख्य रूप से निम्न योजनाओं का संचालन किया जा रहा है :–

1.जिला अन्त्योदय स्वरोजगार योजना।
2.जिला समृद्धी योजना
3.लघुत्तम वित्त योजना)
4.निःशक्तजनों (विकलांगों) के लिए संचालित स्वरोजगार योजनाएँ
5.लघु ऋण एवं वित्त योजना
6.सिनेटरी मार्ट योजना
7.प्रतिष्ठा प्रशिक्षण योजना

जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र उमरिया :–

उमरिया जिला समुद्र सतह से 489 मीटर ऊँचाई पर तथा 230–31’–37’’ उत्तरी अक्षाशं 800–50’–10’’ पूर्वी देशान्तर के बीच स्थित है। उमरिया जिले के उत्तर में सतना, उत्तर पश्चिम में कटनी, उत्तर पूर्व में शहड़ोल, पश्चिम दक्षिण में जबलपुर, उत्तर पूर्व में शहड़ोल, दक्षिण में डिड़ौरी जिलों से घिरा हुआ है।

भारत के मानचित्र पर उमरिया जिले का नामकरण स्वतंत्रता के पश्चात हुआ है, स्वाधीनता के उपरान्त देशी राज्यों के विलीनीकरण प्रक्रिया में बुन्देलखण्ड और बघेलखण्ड की छोटी – बड़ी 36 रियासतों को मिलाकर विन्ध्यप्रदेश का गठन किया गया, जुलाई 1998 में करकेली, पाली एवं मानपुर तहसीलों को मिलाकर यह जिला बना। 1 नवम्बर 1956 को महाकौशल, मध्यभारत, विन्ध्यप्रदेश एवं अन्य सीमावर्ती क्षेत्र के 43 हिन्दी भाषी जिलों को मिलाकर मध्यप्रदेश राज्य बनाया गया।

उमरिया जिला उत्तर से दक्षिण लगभग 115 किलोमीटर लम्बा तथा पूर्व से पश्चिम लगलग 95 किलोमीटर चौड़ा है। इसका कुल क्षेत्रफल 4503 वर्ग किलोमीटर है। उमरिया जिले को पूर्व में 3 तहसीलों में विभक्त किया गया था। मानपुर, बॉधवगढ़ एवं पाली तथा बाद में चौथी तहसील के रूप में चंदिया, नौरोजाबाद को

दर्जा दिया गया। इस प्रकार वर्तमान में कुल 5 तहसीलों एवं 03 विकासखण्ड है। तहसीलों का क्षेत्रफल क्रमशः मानपुर 1952, करकेली 1678 एवं पाली 873 किलोमीटर है।

किसी भी जिलो में उद्योग स्थापना से संबंधित सभी क्रिया–कलापों का केन्द्र जिला व्यापार उद्योग केन्द्र ही होता है। जिले में होने वाली समस्त औद्योगिक गतिविधियाँ संबंधित जिले उद्योग केन्द्र के समन्वय से ही संचालित होती है।

स्थापना – 1977 में मध्यप्रदेश शासन द्वारा लघु उद्योगों को तेजी से विकास के लिए देश भर में जिला उद्योग केन्द्रों की स्थापना 1978 में की गयी। जिला उद्योग केन्द्र एक ऐसी सरकारी संस्था हैं, जो उद्योग लगाने के इच्छुक उद्यमियों को अनुमति, परामर्श एवं आवश्यक सुविधाएँ प्रदान करती हैं। जिला उद्योग केन्द्र एक केन्द्रीय संस्था है जो उद्योगों के लिए विभिन्न सुविधाएँ प्रदान करने वाली एजेन्सियाँ जैसे–वित्त निगम, औद्योगिक विकास एवं विनियोग निगम, उद्योग निदेशालय, खनिज विकास निगम, लघु उद्योग निगम, खादी एवं ग्रामोद्योग मण्डल, विद्युत मण्डल आदि के कार्यालयों को जोड़ती हैं ताकि लघु उद्यमियों को इन एजेन्सियों के माध्यमों से मिलने वाली सभी आवश्यक सुविधाएँ एक ही स्थान पर उपलब्ध हो सके।

उमरिया जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र की संचालित विशेषताएँ –

1.उमरिया जिला में जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र की स्थापना जिला स्तर पर की जाती है तथा इसका प्रशासनिक भवन उमरिया जिला, जिला मुख्यालय के प्रमुख स्थान पर स्थापित किया गया है। जो अपने जिले की सभी लघु इकाईयों की स्थापना एवं विकास की सुविधाएँ प्रदान करती हैं।
2.उमरिया जिला में जिला व्याापार एवं उद्योग केन्द्र एक समन्वयकारी संस्था है जो जिला स्तर पर सभी संबंधित विभागों में एक प्रभावी समन्वय एवं संपर्क–सूत्र का कार्य करती हैं।
3.जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र को केन्द्रीय सरकार की योजना एवं सहायता के अंतर्गत राज्य सरकारों द्वारा स्थापित किया जाता है।
4.जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र केन्द्रीय सरकार / राज्य शासन के दिशा निर्देश एवं मार्गदर्शन में जैसे – ग्रामीण विकास कार्यक्रम, रोजगार – स्वरोजगार योजना आदि के क्रियान्वयन की इकाई के रूप में कार्य करते हैं। इस प्रकार सरकारी कार्यक्रमों की सफलता भी काफी सीमा तक इस पर निर्भर करती हैं।
5.जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के माध्यम से कृषि क्षेत्रों को औद्योगिक क्षेत्रों में परिवर्तित किया जा सकता है। समाज में नये मूल्यों की स्थापना करते हैं, सहकारियों में आशा का संचार करते हैं तथा औद्योगिक क्षेत्रों में अनेक परिवर्तनों को जन्म देते हैं।

उमरिया जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्रों के उद्देश्य :– जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्रों की स्थापना निम्न उद्देश्यों का विकास करना।

1.लघु एवं कुटीर उद्योगों का विकास करना।
2.लघु ग्रामीण एवं घरेलू उद्योगों को विनियोजन के पूर्व, विनियोजन के समय एवं विनियोग के पश्चात् आवश्यक सेवाएँ एक ही छत के नीचे प्रदान करना।
3.जिला स्तर पर सरकार औद्योगिक नीतियों को लागू करना।
4.नये साहसियों का पता लगाना।
5.ग्रामीण क्षेत्रों में औद्योगिकरण को प्रोत्साहित करना।
6.जिले की औद्योगिक संभावनाओं एवं स्थानीय साधनों के आधार पर जिले के लिए विकास कार्यक्रम तैयार करना।
7.लघु एवं कुटीर उद्योगों को आवश्यक वित्त, भूमि, भवन, कच्चा माल, यंत्र,सामग्री व माल के विपणन की सुविधाएँ प्रदान करना।
8.लघु साहसियों के लिए औद्योगिक प्रशिक्षण की व्यवस्था करना।
9.गाँवों में हस्थशिल्प कला उद्योगों को विकशित करना, एवं उनके लिए आवश्यक सामाग्री मुहैया कराना।
10.नये साहसियों को परियोजना प्रतिवेदन तैयार करने में आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करना।
11.औद्योगिक विकास की आधारभूत सुविधाओं–सड़कें,बिजली,पानी,परिवहन आदि का विकास करना।
12.रूग्ण इकाईयों की समस्या का समाधान पर उन्हें पुनर्जिवित करना।
13.औद्योगिक विकास की विभिन्न सरकारी योजनाओं को सफल बनाने में योगदान देना।
14.जिले में रोजगार के अवसरों का सृजन करना।
15.जिला स्तर पर जिला उद्योग ब्यूरोय की स्थापना करना ताकि उद्यमियों को आवश्यक साहित्य एवं सूचनाएँ उपलब्ध हो सके।
16.जिला स्तर पर कार्य कर रहे विभिन्न विभागों एवं संस्थाओं के कार्यो में समन्वय स्थापित करना आदि है।

उमरिया जिला में जिला व्यापार व उद्योग केन्द्र की भूमिका :–

उमरिया जिले के अन्तर्गत बेरोजगारी की समस्या उग्र रूप लेती जा रही है। इस समस्या का व्यावहारिक हल रोजगार – स्व–रोजगार ही है, इसके लिए उमरिया जिला में जिला व्यापार व उद्योग केन्द्र उद्यमी को स्वमं में रोजगार – स्वरोजगार प्रदान करने में महती भूमिका निभा रही है।

स्व–रोजगार की विभिन्न योजनाओं में से जिला व्यापार व उद्योग केन्द्र द्वारा मुख्य रूप से तीन योजनाएँ संचालित की जाती है :–

1. प्रधानमंत्री रोजगार योजना।
2. दीनदयाल रोजगार योजना।
3. रानी दुर्गावती स्व–रोजगार योजना।

अन्य संस्थाएँ :– अनुसूचित जाति / जनजाति के आर्थिक कल्याण के लिये रोजगार एवं वित्त स्व–रोजगार हेतु मध्यप्रदेश राज्य सहकारी अनुसूचित जाति/जनजाति एवं विकास निगम मर्यादित तथा जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र के अलावा अन्य सरकारी, गैर सरकारी तथा स्वच्छित संगठनो ंभी सफलतम् प्रयास किये हैं।
1.राष्ट्रीय अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति वित्त और विकास निगम।
2.अनुसूचित जनजाति सहकारी विपणन विकास परिसंघ।
3.अनुसूचित जनजातीय अनुसंघान संस्थान।
4.अनुसूचित जाति / जनजाति की महिलाओं और बच्चों के बारे में सलाहकार बोर्ड।

उपसंहार :– मध्यप्रदेश सरकार द्वारा स्थापित संस्थाएँ विभिन्न योजनाओं का संचालन कर अनुसूचित जाति /जनजाति के आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह कर रही है। इस हेतु योजनाओं की विस्तृत जानकारी होना आवश्यक है। इन योजनाओं के माध्यम से अनुसूचित जाति / जनजाति के लोगों हेतु रोजगार–स्वरोजगार आदि में वृद्धि देखी जा सकती है। साथ ही योजना के अंतर्गत आने वाली कठिनाईयों का समाधान कर इनका पूर्ण लाभ लिया जा सकता है। अनुसूचित जाति / जनजाति के पिछड़ेपन को दूर करके और उनका पूर्ण विकास करने की दिशा में सम्पूर्ण समाज का संतुलित विकास करने की आवश्यकता है।

संदर्भ ग्रंथ सूची–

1. जिला सांख्यिकी पुस्तिका जिला – उमरिया मध्यप्रदेश।
2. वार्षिक पत्रिका जिला एवं व्यापार उद्योग केन्द्र, जिला उमरिया मध्यप्रदेश।
3. आदिम जाति अनुसूचित जाति/ जनजाति कल्याण विभाग म0प्र0शासन भोपाल।
4. उद्योग संचालनालय मध्यप्रदेश भोपाल।
5. शासन की रोजगारोन्मुखी योजनाऍ मध्यप्रदेश शासन भोपाल।
5. www.google.com/wikipedia.com

डॉ.राजू रैदास
अतिथि विद्वान (वाणिज्य) ,शास.महाविद्यालय उमरिया (म.प्र.) भारत.

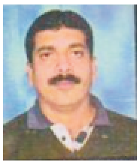

कन्हैया कुमार विश्वकर्मा
अतिथि विद्वान (वाणिज्य),शास.महाविद्यालय उमरिया (म.प्र.) भारत .

Publish Research Article
International Level Multidisciplinary Research Journal For All Subjects

Dear Sir/Mam,

We invite unpublished Research Paper,Summary of Research Project,Theses,Books and Book Review for publication,you will be pleased to know that our journals are

Associated and Indexed,India

- ✶ International Scientific Journal Consortium
- ✶ OPEN J-GATE

Associated and Indexed,USA

- EBSCO
- Index Copernicus
- Publication Index
- Academic Journal Database
- Contemporary Research Index
- Academic Paper Databse
- Digital Journals Database
- Current Index to Scholarly Journals
- Elite Scientific Journal Archive
- Directory Of Academic Resources
- Scholar Journal Index
- Recent Science Index
- Scientific Resources Database
- Directory Of Research Journal Indexing

Golden Research Thoughts
258/34 Raviwar Peth Solapur-413005,Maharashtra
Contact-9595359435
E-Mail-ayisrj@yahoo.in/ayisrj2011@gmail.com
Website : www.aygrt.isrj.org